ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-४६
दिनांक- शुक्रवार, २४ जून, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 35.6 एवं 26.0 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 88 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 63 प्रतिशत, हवा की औसत गति 5.3 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 4.4 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.5 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.7 एवं दोपहर में 40.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(25–29 जून, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 25–29 जून, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि में अगले तीन दिनों तक बेगुसराई, समस्तीपुर, वैशाली, सारण, सिवान, गोपालगंज तथा मुजफ्फरपुर जिलों में कहीं–कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। इस अवधि में एक–दो स्थानों पर मध्यम वर्षा भी होने का अनुमान है तथा उसके बाद इन जिलों में मध्यम से भारी वर्षा हो सकती है। दरभंगा, मधुबनी, सीतामढ़ी, शिवहर, पूर्वी तथा पश्चिमी चम्पारण में अगले तीन दिनों में हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है तथा उसके बाद अनेक स्थानों पर भारी वर्षा भी होने की सम्भावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 32–34 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की सम्भावना है जबकि न्यूनतम तापमान 24–26 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 60 से 65 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 15 से 20 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चलने का अनुमान है।

• समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि में हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना को देखते हुए कृषक भाईयों को सलाह दी जाती है कि मक्का के दाने को सुखाने का कार्य सावधानीपूर्वक करें। खड़ी फसलों में कीटनाषक दवाओं के छिड़काव में सर्तकता बरतें।
- जो किसान भाई धान का बिचड़ा अब तक नहीं गिराये हों, नर्सरी गिराने का कार्य यथाशीघ्र समपन्न करें। धान की अगात किस्में जैसे– प्रभात, धनलक्ष्मी, रिछारिया, साकेत–4, राजेन्द्र भगवती, राजेन्द्र नीलम एवं मध्यम अवधि की किस्में जैसे–संतोष, सीता, सरोज, राजेन्द्र सुवासनी, राजेन्द्र कस्तुरी, कामिनी, सुगंधा उत्तर बिहार के लिए अनुषसित है। 12 से 14 दिनो के बीचड़े वाली नर्सरी से खर–पतवार निकालें।
- जिन किसानों के पास धान का विचड़ा तैयार हो वे नीची तथा मध्यम जमीन में रोपनी करें। धान की रोपाई के समय उर्वरकों का व्यवहार सदैव मिट्टी जाँच के आधार पर करें।
- अगात एवं मध्यम धान की किस्में, जिनकी किसान भाई सीधी बुवाई करना चाहतें हैं ऐसे किसान भाई खेत में ही धान को छिटकॉवा विधी से सीधी बुवाई करें। यदि खेत सुखा है तो सीडड्रील मशीन से या छिटकॉवा विधी से बुवाई कर सकतें हैं। सुखे खेत में सीधी बुवाई करने पर बुवाई के 48 घंटें के अन्दर खरपतवारनाषी दवा पेन्डिमेथीलीन 1.0 लीटर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें। यदि बुवाई के बाद बारिष शुरू हो जाती है तो पेन्डिमेथीलीन दवा का छिड़काव न कर वैसी हालत में बुवाई के 10–15 दिनो के बीच में नामिनी गोल्ड (बिसपेरिबेक सोडियम 10ः एस0 सी0) दवा का 100 मि0 ली0 प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करना नही भुले।
- उचाँस जमीन में अरहर की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलो नेत्रजन, 45 किलो स्फुर तथा 20 किलो पोटाष का व्यवहार करें। बहार, पूसा 9, नरेद्र अरहर 1, मालवीय–13, राजेन्द्र अरहर–1 आदि किस्में बुआई के लिए अनुषसित है। पूर्वानुमानित अवधि में मध्यम वर्षा की संभावना को देखते हुए बुआई में सावधानी बरतें।
- उथली क्यारिओं में खरीफ प्याज की नर्सरी गिरावें। नर्सरी में जल निकास की व्यवस्था रखें। एन0–53, एग्रीफाउण्ड डीक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर खरीफ प्याज के लिए अनुशंसित किस्में है। बीज को कैप्टान या थीरम/2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से मिलाकर बीजोपचार कर लें। पौधशाला को तेज धूप एवं वर्षा से बचाने के लिए 40ः छायादार नेट से 6–7 फीट की ऊचाई पर ढ़क सकते है। प्याज के स्वस्थ पौध के लिए पौधशाला से नियमित रूप से खरपतवार को निकालते रहें। कीट–व्याधियों से नर्सरी की निगरानी करते रहें।
- तिल की बुआई उंचास भूमि में करें। कृष्णा, काँके सफेद, कालिका और प्रगति तिल की अनुशंसित किस्में हैं। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 60 किवन्टल कम्पोस्ट, 20 किलो नेत्रजन, 20 किलो स्फुर एवं 20 किलो पोटाष का व्यवहार करें। बीज दर 4 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर तथा कतार से कतार एवं पौध से पौध की दुरी 30 से0मी0 ग 10 से0मी0 रखें। 2.0 ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित कर बुआई करे।
- हल्दी की राजेन्द्र सोनिया,राजेन्द्र सोनाली किस्में एवं अदरक की मरान एवं नदिया किस्में की बुआई करें। बीज को उपचारित करने के बाद बुआई करे।
- इस माह में आम, लीची, आदि वृक्षें के लिए खोदे गये गड्ढों में मिट्टी के साथ अनुशंसित मात्रा में खाद, उर्वरक एवं थिमेट दे कर ऊपर तक भरने का कार्य कर लें।

आज का अधिकतम तापमानः 36.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.1 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 26.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी